



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत | 60 दिनों का सत्र | बंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



5 रोनाल्डो का सऊदी अरब में ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ा

6 नियंत्रित अनिश्चितता के दौर में अमेरिका और चीन

7 'इमोशनल सपोर्ट' सायली-सचिन के रिश्ते की असली ताकत : नेहा हरसोरा

फर्स्ट टेक

उच्चतम न्यायालय में चार न्यायाधीश बढ़ाने के लिए अध्यादेश जारी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या को वर्तमान 34 से बढ़ाकर 38 करने के लिए एक अध्यादेश जारी किया है। शीर्ष अदालत के मौजूदा न्यायाधीशों की संख्या में प्रधान न्यायाधीश भी शामिल हैं। विधि मंत्रालय ने शनिवार को अध्यादेश अधिसूचित किया, जिसमें उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन कर शीर्ष अदालत की स्वीकृत संख्या में वृद्धि की गई है। अब तक, प्रधान न्यायाधीश सहित उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 थी। अब न्यायाधीशों की संख्या में चार की वृद्धि की गई है, जिससे स्वीकृत संख्या 38 हो गई है। फिलहाल, शीर्ष अदालत में दो पद रिक्त हैं।

ओडिशा के सोरो रेलवे स्टेशन पर 19 बच्चों को बचाया गया

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले के सोरो रेलवे स्टेशन से रेलवे पुलिस ने 19 नाबालिगों सहित 27 लोगों को बचाया है। पुलिस को संदेह था कि इन्हें तस्करी कर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार शाम को घटी जब एक समूह मयूरभंज जिले के कपलीपाड़ा और आसपास के इलाकों से बस से सोरो स्टेशन पहुंचा ताकि अंगुल जाने वाली ट्रेन पकड़ सके। उनकी गतिविधि पर संदेह होने पर रेलवे पुलिस ने उन्हें रोका और समूह के दो लोगों से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, उन्होंने बताया कि समूह रविवार से अंगुल में शुरु होने वाले तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिक्षा शिविर में भाग लेने जा रहा था। हालांकि, पुलिस को यह स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं लगा और उन सभी को हिरासत में ले लिया गया।

'अम्मा अरियान' कान फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हुई

नई दिल्ली/भाषा। मलयालम की बहुचर्चित फिल्म 'अम्मा अरियान' को कान फिल्म महोत्सव की कलात्मक श्रेणी में नए सिरे से पुनर्स्थापित 4के संस्करण में प्रदर्शित किया गया। मूल रूप से 1986 में रिलीज हुई, 115 मिनट लंबी यह फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे क्रान्तिकारी कृतियों में से एक मानी जाती है। इसका निर्देशन दिवंगत जॉन अब्राहम ने किया था, जो अपनी राजनीतिक रूप से प्रेरित और अपरंपरागत कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते थे। 'अम्मा अरियान' 1987 में जॉन के निधन से पहले उनकी अंतिम फिल्म थी।



वेंकटेश और कोहली के अर्धशतक से पंजाब को हराकर प्ले ऑफ में पहुंचा रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर

पंजाब को हराकर प्ले ऑफ में पहुंचा रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को 23 रन से हराकर प्ले ऑफ में जगह पकड़ी करने वाली पहली टीम बनी।

लगतार तीसरी जीत के साथ बंगलूर की टीम के 13 मैच में 18 अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर बरकरार है। लगतार छठी हार के बाद पंजाब की टीम

13 मैच में 13 अंक के साथ चौथे पायदान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर के 223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शशांक सिंह (56 रन, 27 गेंद, चार छके, चार चौके) के अर्धशतक और मार्कस स्टोइनिस् (37 रन, 25 गेंद, पांच चौके) के साथ उनकी छठे विकेट की 67 रन की साझेदारी के बावजूद पंजाब की टीम आठ विकेट पर 199 रन ही बना सकी। कूपर कोनोली (37) और सूर्याश शेडगे (35) ने भी उपयोगी पारियां खेली लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। बंगलूर की ओर से रसिक

सलाम ने 36 रन देकर तीन विकेट भुवनेश्वर कुमार ने 38 रन देकर दो विकेट चटकाए। बंगलूर की टीम ने वेंकटेश (नाबाद 73, 40 गेंद, आठ चौके, चार छके) की कोहली (58 रन, 37 गेंद, चार चौके, तीन छके) के साथ तीसरे विकेट के लिए 60 और टिम डेविड (12 गेंद में 28 रन, दो छके, दो चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी से चार विकेट पर 222 रन बनाए। कोहली ने कप्तान देवदत्त पडिक्कल (45) के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 जोड़कर टीम को ठोस मंच प्रदान किया।

बार-बार पेपर लीक के बावजूद

मोदी शिक्षा मंत्री प्रधान को बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूछा कि शिक्षा मंत्री धर्मद प्रधान के कार्यकाल में बार-बार पेपर लीक होने के बावजूद वह उन्हें (प्रधान को) बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, इस मामले पर प्रधानमंत्री की 'चुप्पी' को लेकर भी सवाल उठाया। गांधी ने कहा, "नीट 2024: पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द नहीं हुई। मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच शुरू की। एक समिति गठित की गई।"



उन्होंने कहा, "नीट 2026: पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। मंत्री ने अभी भी इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई फिर से जांच कर रही है। एक और समिति गठित की जाएगी।"

'प्रधान को बर्खास्त करो' हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए गांधी ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी,

देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है - उनका जवाब दीजिए। बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? इस 'परीक्षा पे चर्चा' पर आप बार-बार चुप क्यों हैं? लगातार असफल हो रहे शिक्षा मंत्री को आप बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं?"

'परीक्षा पे चर्चा' एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें प्रधानमंत्री छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से बातचीत करते हैं। इस पहल का उद्देश्य छात्रों में आत्मविश्वास, सकारात्मकता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देकर उनके परीक्षा अनुभव को नया रूप देना है।

प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना समाज और देश की जिम्मेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

■ यदि कोई एक व्यक्ति शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो पूरे समाज और देश को लंबे समय तक इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि यदि समाज का एक भी व्यक्ति शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो उसके दुष्परिणाम पूरे देश को लंबे समय तक भुगतने पड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान समारोह और चेक वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, विवाद ईरान और अमेरिका के बीच है, लेकिन लगभग 200 देश इसके प्रभावों को झेल रहे हैं और दुनिया भर के करीब 800 करोड़ लोग प्रभावित हो रहे हैं। समाज में भी यही स्थिति होती है। यदि कोई एक व्यक्ति शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो पूरे समाज और देश को लंबे समय तक इसके



नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को स्कूल भेजना समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने अंशकालिक अनुदेशकों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मांगों को लेकर हमेशा संयम और अनुशासन का परिचय दिया है तथा कभी भी हिंसा या दबाव की राजनीति का सहारा नहीं लिया। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए, जब असफलताओं के लिए शिक्षकों, अनुदेशकों और कर्मचारियों को दोषी ठहराया जाता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 में ऐसे विद्यालयों से अनुदेशकों की सेवाएं समाप्त करने के प्रस्ताव लंबित थे, जहां छात्र संख्या 100 से कम थी, लेकिन उनकी सरकार ने ऐसा कदम नहीं उठाया।

कांगो, युगांडा में इबोला के प्रकोप के मद्देनजर

डब्ल्यूएचओ ने घोषित की वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थिति

अबुजा (नाइजीरिया)/एपी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसस ने कांगो और युगांडा में इबोला के प्रकोप को रविवार को अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दी। यह निर्णय इबोला के कारण 88 लोगों की मौत होने और 300 से अधिक संदिग्ध मामले दर्ज होने के बाद लिया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बंडीबुगु वायरस से फैले ये प्रकोप महामारी की श्रेणी में नहीं आते हैं। हालांकि, संगठन ने देशों को अंतरराष्ट्रीय सीमाएं बंद नहीं करने की सलाह भी दी। इबोला अत्यधिक संक्रामक है और संक्रमित व्यक्ति के थूक, उल्टी, खून या वीर्य के माध्यम से फैल सकता है। यह बीमारी दुर्लभ है, लेकिन यह गंभीर और अक्सर जानलेवा होती है।

महिलाओं की गरिमा और सांस्कृतिक मूल्य भारत की असली ताकत : देवनाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनाजी ने रविवार को कहा कि महिलाओं की गरिमा और सांस्कृतिक मूल्य भारत की वास्तविक शक्ति हैं और देश महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

देवनाजी ने 'कारंटीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान' में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम में राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के एल शर्मा द्वारा संकलित पुस्तक 'गीता शर्मा: एन एक्सट्राऑर्डिनरी पर्सनैलिटी' का विमोचन किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता में प्राचीन काल से ही महिलाओं की शिक्षा, चिंतन और आध्यात्मिक स्वतंत्रता प्राप्त रही है, जिसका उदाहरण वैदिक काल की विदुषी गार्गी और मैत्रेयी हैं।

देवनाजी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महिला



■ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', सुकन्या समृद्धि योजना, मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाया है।

नेतृत्व वाले विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', सुकन्या समृद्धि योजना, मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाया है। उन्होंने कहा कि आज भारत की महिलाएं सशक्त बलों, अंतरिक्ष विज्ञान, प्रशासन, खेल और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, जो समाज में

व्यापक परिवर्तन का संकेत है। भारत की सांस्कृतिक शक्ति का उल्लेख करते हुए देवनाजी ने कहा कि देश की मूल शक्ति उसकी परंपराओं, आध्यात्मिकता और पारिवारिक मूल्यों में निहित है, जिसके कारण योग और आयुर्वेद जैसी भारतीय परंपराएं वैश्विक स्तर पर आकर्षण का केंद्र बन रही हैं। इस अवसर पर उन्होंने छह बालिकाओं को छात्रवृत्ति भी प्रदान की।

ड्रोन हमले के कारण यूएई में परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बाहर आग लगी

दुबई/एपी। ड्रोन हमले के कारण रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बाहर आग लग गई। इसमें किसी के हताहत होने या रेडियोधर्मी विकिरण की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह ड्रोन हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम जारी है, लेकिन तनाव अब भी बहुत अधिक है और इससे पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध छिड़ने का खतरा है। किसी ने भी संयंत्र पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली और यूएई ने भी किसी पर आरोप नहीं लगाया। हालांकि, यूएई ने हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ते तनाव के बीच ईरान पर कई ड्रोन और मिसाइल हमले करने का आरोप लगाया है। होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जिस पर ईरान का अब भी पूरा नियंत्रण है, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी कर रखी है। बरकाह संयंत्र यूएई की एक चौथाई ऊर्जा की आपूर्ति कर सकता है।



दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस के एसी डिब्बे में लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

रतलाम/कोटा/भाषा। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन में रविवार सुबह आग लग गई, जिससे दो डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए और कई घंटों तक मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित रही।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने से कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन मरम्मत और अन्य उपकरण लेकर घटनास्थल पर जा रही एक ट्रेन बाद में पलट गई, जिससे रेलवे के पांच कर्मचारी घायल हो गए। इस घटना में ओवरहेड

उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने के कारण मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर 10 से अधिक ट्रेनों का समय प्रभावित हुआ है। बाद में सात घंटे से अधिक समय के बाद रेल यातायात बहाल कर दिया गया, जबकि आग लगने के कारणों की जांच चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन के जिस एसी डिब्बे में आग लगी थी, उसमें 68 यात्री सवार थे और आग लगने के 15 मिनट के भीतर डिब्बे को खाली करा लिया गया।

पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि तिरुवनंतपुरम-हजूरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के बी-1 डिब्बे में सुबह पांच बजकर 15 मिनट पर आग लगी।

18-05-2026 19-05-2026
सूर्योदय 6:38 बजे सूर्यास्त 5:53 बजे

BSE	NSE
75,237.99	23,643.50
(-160.73)	(-46.10)

सोना 16,158 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम
चांदी 295,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com

केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेमेल मिलान
मिल जाए स्थिर सरकार अगर, गठबंधन को भी सह लेंगे।
वर्तन दुर्भाग्य समझ करके, जैसे-जैसे बस रह लेंगे।
इतिहास गवाही देता है, संभवतः कुछ तो ढह लेंगे।
बेमेल मिलान ना हुए सफल, बस कथा पुरानी कह लेंगे।।

दो-दिवसीय दौरे पर स्वीडन पहुंचे मोदी प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वीडिश समकक्ष क्रिस्टर्सन से बातचीत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

गोथेनबर्ग (स्वीडन)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने स्वीडिश समकक्ष उल्फ क्रिस्टर्सन के साथ व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित व्यापक वार्ता की। स्वीडिश प्रधानमंत्री क्रिस्टर्सन ने दो-दिवसीय दौरे पर स्वीडन पहुंचे मोदी की गोथेनबर्ग हवाई अड्डे पर विशेष आगवानी की। मोदी इससे पूर्व 2018 में

■ प्रधानमंत्री मोदी को स्वीडन के प्रतिष्ठित सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' से सम्मानित किया गया।

पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए स्वीडन आए थे। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी को स्वीडन के प्रतिष्ठित सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' से सम्मानित किया गया। यह स्वीडन द्वारा किसी राष्ट्राध्यक्ष को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। भारत-स्वीडन संबंधों में मोदी के असाधारण योगदान और

बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को अपनाने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नई प्रौद्योगिकियों, स्टार्टअप, सुदृढ़ आपूर्ति शृंखलाओं, रक्षा, अंतरिक्ष, जलवायु परिवर्तन और दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंध जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। मोदी ने इससे पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था, "मैं प्रधानमंत्री क्रिस्टर्सन से व्यापार, निवेश, नवाचार, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में भारत-स्वीडन मित्रता को आगे बढ़ाने के लिए मुलाकात करूंगा।"



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिविकम में एक जून से आनंद विवाह अधिनियम लागू होगा

नई दिल्ली/भाषा। सिख दंपतियों को अपने विशिष्ट कानूनी ढांचे के तहत पारंपरिक विवाह पंजीकृत करने में सक्षम बनाने वाला आनंद विवाह अधिनियम सिक्किम में एक जून से लागू हो जाएगा।

केंद्रीय कानून मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इससे सिक्किम में सिख समुदाय के सदस्यों को पारंपरिक 'आनंद कारज' समारोह के तहत संपन्न विवाहों को सीधे पंजीकृत करने की सुविधा मिलेगी।

पंजीकरण के उद्देश्य से, कई सिख जोड़े 1955 के हिंदू विवाह अधिनियम के तहत अपना विवाह पंजीकृत कराते हैं। सिद्धि मंत्रालय द्वारा 14 मई को जारी अधिसूचना के अनुसार, 'केंद्र सरकार सिक्किम राज्य में आनंद विवाह अधिनियम, 1909 के प्रावधानों के लागू होने की तिथि एक जून, 2026 निर्धारित करती है।'

भाजपा ही राष्ट्रवाद और भारतीयता को आगे बढ़ाने वाली पार्टी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दावा किया कि समाज कांग्रेस, सपा, राजद, टीएमसी, द्रमुक या भ्रष्टाचार में लिप्त अन्य राजनीतिक दलों को सम्मान नहीं देता, बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं को समाज में सम्मान इसलिए मिलता है क्योंकि उनमें राष्ट्रवाद और भारतीयता का भाव होता है।

गोरखपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, पार्टी के संस्थापकों के मूल्यों



और आदर्शों का पालन करते हुए भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए ईमानदारी तथा पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करता है, इसलिए समाज उसे सम्मान देता है। उन्होंने कहा,

लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रखेत्रीय जनता दल (राजद) या द्रविड़ मुनेत्र कषमम (द्रमुक) जैसे दल ऐसा सम्मान प्राप्त नहीं कर पाते क्योंकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण

महाअभियान' नामक इस शिविर का आयोजन भाजपा की गोरखपुर इकाई ने किया था। उद्घाटन सत्र का विषय 'भाजपा का इतिहास और विकास' था। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा, संस्कृति, सुशासन और जनता की समृद्धि को अपने कार्यक्रमों का आधार बनाया है। उन्होंने कहा, स्थापना के 50 वर्ष से भी कम समय में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और राष्ट्रवाद की विचारधारा को आगे बढ़ा रही है। यह एकमात्र पार्टी है जिसने स्पष्ट रूप से कहा है कि राष्ट्र पहले, पार्टी दूसरे और व्यक्तिगत हित सबसे बाद में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के संस्थापकों ने 'राष्ट्र

प्रथम' के भाव से मूल्य, आदर्श और संस्कार लिए। योगी ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद संसदीय प्रणाली लागू होने के तुरंत बाद कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति शुरू कर दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को महसूस हुआ कि एक ऐसे राजनीतिक दल की आवश्यकता है जो भारत की राष्ट्रीयता और बेहतर भविष्य के लिए कार्ययोजना तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि इसके बाद केंद्र सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले महान शिक्षाविद एवं स्वतंत्रता सेनानी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय जनसंघ का संस्थापक अध्यक्ष बनाया गया।

प्रधानमंत्री का बोडो स्कार्फ 'अरोनई' पहनना समुदाय की समृद्ध विरासत को दर्शाता है : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि नीदरलैंड (एक प्रकार का आभूषण) पहनना समुदाय की समृद्ध विरासत का प्रमाण है। उन्होंने राज्य के बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में शांति और प्रगति लाने के लिए मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, अरोनई असम के बोडो समुदाय के गौरव और समृद्ध विरासत को दर्शाता है। आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी को नीदरलैंड में वैश्विक मंच पर इसे गरिमा के साथ धारण करते देख मैं महसूस हो रहा है। हेम में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते

समय मोदी ने अपने गले में अरोनई (एक प्रकार का आभूषण) पहना था। ये यूरोप के चार देशों के वीरों के तहत दो दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को नीदरलैंड पहुंचे थे। शर्मा ने कहा, बोडोलैंड में शांति और समृद्धि के लिए हमारे प्रिय प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञ हूँ। मुख्यमंत्री 2020 के बोडो शांति समझौते का जिक्र करते रहे, जिसने बीटीआर (बोडोलैंड) का प्रशासन करने वाली स्वायत्त परिषद की शक्ति और कार्यक्षेत्र को बढ़ाया और क्षेत्र में दशकों पुरानी उग्रवाद की समस्या को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया।

किसान ने खुद पर पेट्रोल डालकर लगायी आग, अस्पताल ले जाते समय मौत

जालौन/भाषा। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के सिरसा कलार क्षेत्र में रविवार को एक किसान ने अपने खेत में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली और गंभीर हालत में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र कुमार बाजपेई ने बताया कि सिरसा कलार थाना क्षेत्र के मऊ खुर्द निवासी ओंकार सिंह (58) नामक किसान ने अपने खेत में खुद पर पेट्रोल डाल लिया और आग लगा ली। उन्होंने बताया कि परिजन उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज उरई ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही ओंकार सिंह ने दम तोड़ दिया। बाजपेई ने बताया कि घटना के संबंध में आवश्यक जांच एवं अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है। किसान की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

ओडिशा पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान 1,771 लोगों को गिरफ्तार किया, गांजा, 20 हथियार जब्त

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने एक विशेष अभियान के दौरान 3,000 किलोग्राम से अधिक गांजा, 20 बिना लाइसेंस वाली बंदूकें और अन्य अवैध वस्तुएं जब्त कीं तथा 1,771 लोगों को गिरफ्तार किया। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। पुलिस महानिदेश (डीजीपी) योगेश बहादुर खुराना के निर्देश पर ओडिशाभर में पुलिस अधीक्षक (एसपी) और पुलिस आयुक्तों के नेतृत्व में 12 से 16 मई तक पांच दिवसीय अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) संजय कुमार ने अभियान की निगरानी की।

बयान में कहा गया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) को लागू करना, लंबित मामलों में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करना, मादक पदार्थों (गांजा और ब्राउन शुगर) की तस्करी को रोकना, अवैध हथियारों और खनिजों के परिवहन में शामिल वाहनों को जब्त करना और नशे में वाहन चलाने वालों पर नकेल कसना था। खुराना ने कहा, "ओडिशा पुलिस का विशेष अभियान सफल रहा। हमने पांच दिन के दौरान 1,700 से अधिक गैर-जमानती वारंट जारी किए हैं, छह लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज किया गया है और 50 फरार आरोपियों को पकड़ा।"

प. बंगाल सरकार सीमा पर बाड़बंदी के लिए 45 दिनों में जमीन देने को प्रतिबद्ध : मंत्री कीर्तनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



बनगांव(प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के मंत्री अशोक कीर्तनिया ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेश से लगती सीमा पर बाड़बंदी करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 45 दिनों के भीतर भूमि सौंपने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री कीर्तनिया ने भूमि अधिग्रहण की प्रगति की समीक्षा करने और जमीनी स्तर के घटनाक्रम का आकलन करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के साथ यहां बैठक की।

उन्होंने कहा कि उत्तर 24 परगना जिले के अधिकांश हिस्सों में भूमि अधिग्रहण संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रहा है, लेकिन बसीरहाट क्षेत्र में प्रतिरोध है। कीर्तनिया ने कहा, "मैंने जिलाधिकारी से बात की और मुझे बताया गया कि बसीरहाट के तीन मीलों को छोड़कर कोई समस्या नहीं है। बसीरहाट के कुछ निवासी बाड़ वाले क्षेत्र से हटने से इनकार कर रहे हैं और बाड़ के अंदर आने वाले कुछ परिवार पुनर्वास से इनकार कर रहे हैं।" उन्होंने जिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर गतिरोध को हल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, "मैंने जिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर उन लोगों को मनाने के लिए कहा है।" मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नव निर्वाचित भाजपा सरकार ने 11 मई को अपनी पहली कैबिनेट बैठक में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी पूरी करने के लिए बीएसएफ को जमीन हस्तांतरित करने का फैसला किया था, जिसके लिए 45 दिनों की समय सीमा तय की गई थी।

क्षेत्र में प्रतिरोध है। कीर्तनिया ने कहा, "मैंने जिलाधिकारी से बात की और मुझे बताया गया कि बसीरहाट के तीन मीलों को छोड़कर कोई समस्या नहीं है। बसीरहाट के कुछ निवासी बाड़ वाले क्षेत्र से हटने से इनकार कर रहे हैं और बाड़ के अंदर आने वाले कुछ परिवार पुनर्वास से इनकार कर रहे हैं।" उन्होंने जिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर गतिरोध को हल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, "मैंने जिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर उन लोगों को मनाने के लिए कहा है।" मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नव निर्वाचित भाजपा सरकार ने 11 मई को अपनी पहली कैबिनेट बैठक में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी पूरी करने के लिए बीएसएफ को जमीन हस्तांतरित करने का फैसला किया था, जिसके लिए 45 दिनों की समय सीमा तय की गई थी।



पति से विवाद के बाद पानी की टंकी पर चढ़ी महिला, पुलिस ने सुरक्षित उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में रविवार को 22 वर्षीय एक महिला पति से विवाद के बाद पानी की टंकी पर चढ़ गई। पुलिस ने कई घंटों की मशकत के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। पुलिस के अनुसार पति से जुड़े विवाद के कारण

परेशान होकर महिला टंकी पर चढ़ गई थी और नीचे उतरने से इनकार कर रही थी। घटना की सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक गुरप्रीत कौर और उपनिरीक्षक दीपक कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पृष्ठभूमि के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी लखीमपुर खीरी के एक व्यक्ति से हुई थी, जो बिना बताए लापता हो गया, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने महिला के

पति से संपर्क कर उसे मौके पर बुलाया। इस दौरान पुलिस लगातार महिला को समझाने का प्रयास करती रही। पुलिस के मुताबिक, सहायक पुलिस आयुक्त और गोमतीनगर थाना प्रभारी ने भी महिला से बातचीत की और उसे सुरक्षित नीचे उतारने के लिए राजी किया। बाद में महिला को अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ग्रेट निकोबार परियोजना पारिस्थितिकी तबाही का एक नुस्खा है: रमेश



नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना पर एक पत्र लिखकर कहा कि वर्तमान स्वरूप में यह परियोजना 'पारिस्थितिकी तबाही' का कारण बन सकती है। कांग्रेस नेता इस परियोजना को लेकर लंबे समय से चिंता जात रहे हैं और उनका दावा है कि इससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर प्रभाव होगा और आदिवासी समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन होगा। मंत्री को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा कि देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर कोई दो राय नहीं हो सकती, लेकिन उन्होंने ग्रेट निकोबार परियोजना के आसपास इसकी रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कुछ उपाय सुझाए। उन्होंने कहा कि नौसेना अधिकारियों ने अपने लेखों में ऐसे उपायों का प्रस्ताव दिया है और ये उपाय क्षेत्र की पारिस्थितिकी को अधिक नुकसान पहुंचाए बिना देश की रक्षा को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। रमेश ने 'एक्स' पर पत्र साझा करते हुए कहा, "पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री और जनजातीय कार्य मंत्री को पत्र लिखने के बाद मैंने ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के संबंध में रक्षा मंत्री को भी पत्र लिखा है। रमेश पहले पर्यावरण मंत्री रह चुके हैं।

दिलवारा गांव की बेटियां, फुटबॉल से गढ़ रही पहचान

जयपुर/भाषा। नसीराबाद क्षेत्र के दिलवारा गांव की लड़कियां फुटबॉल के जरिए अपनी पहचान गढ़ रही हैं। कभी बंजर जमीन रही यह जगह अब सपनों का मैदान बन चुकी है जहां रोजाना शाम को 100 से अधिक लड़कियां घंटों अभ्यास करती हैं। गांव के युवाओं और खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास से कांटों और पथरों से भरी जमीन को खेल मैदान में बदला गया है। घास का मैदान तैयार करने का काम भी जारी है। स्थानीय निवासी उमेश प्रजापत ने बताया कि उनका सपना फुटबॉल बनने का था लेकिन आर्थिक कारणों से अधूरा रह गया। अब वे चाहते हैं कि गांव की बेटियां उनका सपना पूरा करें। पांच साल पहले केवल पांच लड़कियां खेलती थीं आज सौ से अधिक हो चुकी हैं। इनमें से एक लड़की राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकी है और 6-7 राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी हैं। फल की दुकान चलाने वाले कोच जयंत रोजाना 2-3 घंटे लड़कियों को प्रशिक्षित करते हैं। उन्होंने भी राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खेला है और वर्तमान में बीपीएड कोर्स के अंतिम वर्ष में हैं। उनका कहना है कि अब यह मैदान बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकता है।

रोनाल्डो का सऊदी अरब में ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ा



रियाद (सऊदी अरब)/एपी। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सऊदी अरब में पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने का इंतजार तब और बढ़ गया जब शनिवार को एशियाई चैंपियंस लीग के फाइनल में उनके क्लब अल नासर को जापान के गांबा ओसाका से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। तुर्की के फॉरवर्ड डेनिस हम्मत के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से ओसाका ने एशिया के दूसरी श्रेणी के टूर्नामेंट का खिताब जीता। अल नासर ने हालांकि मैच में दबदबा बनाए रखा लेकिन वह गोल करने में नाकाम रहा। इससे पांच दिन पहले अल नासर 2019 के बाद पहली बार सऊदी प्रो लीग जीतने से बस कुछ ही सेकंड दूर था, लेकिन स्ट्रोकेंज टाइम के अंतिम पलों में आत्मघाती गोल होने से उसका इंतजार बढ़ गया। अब गुरुवार को होने वाले लीग के अंतिम चरण के मैच से विजेता का फैसला होगा। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में क्लब में शामिल हुए थे। वह गांबा ओसाका के खिलाफ हाफ टाइम से ठीक पहले बराबरी का गोल करने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर उनका नजदीकी हेडर लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया।



कोलकाता में अतिक्रमण हटाने के अभियान के विरोध में प्रदर्शन हिसक हुआ, कई पुलिसकर्मी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के तिलजला में हाल ही में हुई 'बुलडोजर कार्रवाई' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन रविवार को हिसक हो गया। पार्क सर्कस इलाके में प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया, जिसमें कम से कम तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

तिलजला में एक फेक्टरी में आग लगने की घटना में दो लोगों की मौत के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने पिछले बुधवार को इलाके में अवैध ढांचों को

गिराने के लिए 'बुलडोजर कार्रवाई' की थी। अधिकारियों के मुताबिक, अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में लोग पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रॉसिंग के पास इकट्ठा हुए और सड़कों को अवरोध करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने गैरकानूनी रूप से जुटी भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की, तो उसमें शामिल कुछ लोग पथराव करने लगे, जिससे इलाके में अराजकता फैल गई।

अधिकारियों के अनुसार, पथराव के दौरान सड़क किनारे खड़ी कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें केंद्रीय बलों को ले जाने वाले वाहन भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद बड़ी संख्या में कोलकाता पुलिस और

केंद्रीय बलों के जवानों को इलाके में तैनात किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने हलात को और बिगड़ने से रोकने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तिलजला और आसपास के इलाकों में गश्त लगाई।

कोलकाता पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त आशीष बिस्वास ने कहा कि हिसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने संवाददाता को बताया, कुछ लोगों ने सड़क अवरोध करने की कोशिश की। यह एक अवैध जमावड़ा था। पुलिस उन्हें तितर-बितर करने की कोशिश कर रही थी, तभी उन्होंने पथराव शुरू कर दिया। हमारे तीन सहकर्मी घायल हो गए।

आईपीएल : हमारी खराब 'कैचिंग' ने अंतर पैदा किया : पार्थिव पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने स्वीकार किया कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल के मैच में उनकी खराब कैचिंग (कैच छोड़ना) महंगी साबित हुई और इसने मुख्य अंतर पैदा किया। गुजरात टाइटंस ने चार कैच छोड़े, जिनमें फिन एलन को मिले दो

जीवनदान भी शामिल हैं। एलन ने इसका फायदा उठाकर 35 गेंद पर 93 रन बनाए और अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

पटेल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, "मुझे लगता है कि कैच छोड़ना ही एक ऐसी चीज है जिसने मैच में मुख्य अंतर पैदा किया। जब आपका सामना अच्छे बल्लेबाजों

से होता है तो आपको अधिक मौके नहीं मिलते। आपको जो भी मौका मिले उसका फायदा उठाना होता है लेकिन हम ऐसा नहीं कर पाए।"

एलन के अलावा गुजरात टाइटंस ने अंगकूष रघुवंशी और कैमरन ग्रीन को भी जीवनदान दिए। इन तीनों बल्लेबाजों ने इसका फायदा उठाकर अर्धशतक बनाए।

भारतीय पैरा खेलों को नई ऊंचाइयों पर ले गए ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार

नई दिल्ली/भाषा। अनसंग हीरोज वर्ग में पद्य श्री हासिल करने वाले ऊंची कूद के खिलाड़ी



प्रवीण कुमार उन कुछ लोगों में से एक हैं जिन्होंने अपनी शारीरिक कमियों को अपने करियर में ताकत में बदला है और भारतीय पैरा खेलों की दिशा बदल दी। गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर के एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 मई 2003 को जन्मे प्रवीण का एक पैर दूसरे से छोटा था लेकिन वह बहुत तेज चलाने के कारण के काबिल थे और जल्द ही उन्होंने ऊंची कूद को चुनना शुरू किया।

उनका करियर एक अंतर स्कूल ऊंची कूद प्रतियोगिता दौरान बदला जहां उन्होंने पूर्ण सक्षम खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला किया जिससे विशेषज्ञों का ध्यान उनकी ओर गया। कोच सत्यपाल सिंह के मार्गदर्शन में उन्होंने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ट्रेनिंग ली जिससे उनके कौशल में और निखार आया और वह दुनिया के शीर्ष पैरा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए।

झारखंड, प. बंगाल और केरल के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/कोलकाता/तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने झारखंड, पश्चिम बंगाल और केरल के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश, आंधी, वज्रपात और तेज हवाओं का पूर्वानुमान बताया है। आईएमडी के अनुसार, झारखंड में 18 से 23 मई तक हल्की से मध्यम बारिश, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, 18 से 20 मई तक गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग को छोड़कर राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने की संभावना है।

इसके बाद, 21 मई को राज्य भर में हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली कड़कने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है, जबकि 21 से 23 मई तक गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार को छोड़कर राज्य के कई हिस्सों में बारिश होगी।

रांची स्थित आईएमडी के उपनिदेशक अभिषेक आनंद ने कहा कि अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। पिछले 24 घंटों में, पश्चिम सिंहभूम जिले के मंजारी में अधिकतम 18 मिमी वर्षा दर्ज की गई और धनबाद के मैथन, डीवीसी में 7.4 मिमी वर्षा हुई। पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया अधिकतम तापमान पलामू जिले के डाल्टनगंज में 41.5 डिग्री सेल्सियस रहा, इसके बाद सरायकेला में 40.4 डिग्री सेल्सियस और जमशेदपुर में 38.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम बंगाल के दक्षिणी इलाकों में रविवार शाम कई जिलों में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है, वहीं कोलकाता में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोलकाता का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस अर्थात् सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक था। स्थानीय मौसम कार्यालय ने कहा है कि कोलकाता में हल्की बारिश और गरज के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है। हावड़ा, हुगली, दक्षिण 24 परगना, पूर्वी और पश्चिमी मेदिनीपुर, बांकुरा और पूर्वी बर्धमान में भी इसी तरह के मौसम का पूर्वानुमान है। विभाग के अनुसार, नदिया, मुर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना, बীরभूम, पुरुलिया और झाड़ग्राम जैसे जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी बंगाल में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने की आशंका है। केरल में भी कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच आईएमडी ने पथनमथिड़ा और अलप्पुझा जिलों के लिए 'अंरिज अलर्ट' जारी किया है।

तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, कोझिकोट, यामनाड, कन्नूर और कासरगोड समेत कई जिलों में 'थेलो अलर्ट' जारी किया गया है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी इसी तरह के संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। लोगों को नदियों, जलाशयों और पहाड़ी इलाकों से दूर रहने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह भी दी गई है।

सुविचार

क्रोध में लिया गया एक फैसला, जिंदगी भर का पछतावा बन सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सामूहिक व्यवहार ऐसा क्यों?

दिल्ली, बंगलूर और मुंबई में एक मशहूर ब्रांड की घड़ी खरीदने उमड़े लोगों ने जिस तरह हंगामा खड़ा किया, उससे सामूहिक व्यवहार को लेकर गहरी चिंता पैदा होती है। सार्वजनिक स्थान पर खड़े होने, चलने और बोलने का एक तरीका होता है। उससे हमारे बारे में कई बातों का पता चलता है। शिक्षित लोगों से उम्मीद की जाती है कि सार्वजनिक स्थानों पर उनका व्यवहार आदर्श होगा, लेकिन हाल के वर्षों में ऐसे कई मौके आए, जब भीड़ ने यह साबित किया कि हममें अनुशासन की भारी कमी है। लोगों को इसका भलीभांति प्रशिक्षण मिलना चाहिए। अगर कोई महंगी घड़ी पेश की जा रही है और काफी लोग उसे खरीदने के इच्छुक हैं तो यह काम शांतिपूर्ण भी हो सकता है। इसके लिए शोर-शराबा करना, कर्मचारियों से उलझने की क्या जरूरत है? एक घड़ी ही तो है! अगर आज नहीं मिली तो दो दिन बाद मिल जाएगी। ऐसा तो नहीं है कि जिसे पहले मिल गई, उसे विश्वविजेता की उपाधि दे दी जाएगी। इससे पहले, एक कंपनी का स्मार्टफोन खरीदने के लिए भीड़ ने इसी तरह अनुशासनहीनता दिखाई थी। कई लोगों ने जल्दी फोन खरीदने के लिए अन्य लोगों को धक्का-मुक्की की। कई लोगों को पड़े-लिखे, धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने वाले दूसरों को कोहनी मारते, अभद्र शब्द बोलते और शोर मचाते नजर आए थे। एक फोन के लिए इतने पापड़ बेलने की क्या जरूरत है? फोन ही है, कोई जादुई चिराग तो नहीं है कि उसे घिसते ही सारे अरमान पूरे हो जाएँ! यह इस दुनिया का अंतिम फोन भी नहीं है। अगर आज नहीं मिला तो एक हफ्ते बाद मिल जाएगा। ऐसी चीजों के लिए हुड़क मचाकर हम अपने देश की कैसी छवि बना रहे हैं? अब सोशल मीडिया का जमाना है। कोई खबर कुछ ही सेकंडों में पूरी दुनिया में फैल जाती है। जब विदेशों में लोग हमारा ऐसा सामूहिक व्यवहार देखते हैं तो क्या सोचते हैं?

जापान का एक पर्यटक भारत घूमने आया तो उसने स्वदेश लौटकर हमारे खानपान और संस्कृति की बहुत तारीफ की। एक बात उसे अजीब लगी। उसने कहा, 'भारत में लोग बहुत हड़बड़ी में रहते हैं। जब लाल बत्ती हो जाती है, तब भी हॉर्न बजाते हैं और अपने वाहन को अगले वाहन के बिस्कुल नजदीक ले जाकर खड़ा कर देते हैं।' इन गतिविधियों से सामन नहीं बचता, बल्कि अव्यवस्था फैलती है। कई लोग हरी बत्ती होने से कुछ पहले ही अपने वाहन को आगे ले जाते हैं। वे चार-पांच सेकंड की बचत कर इस रफ्तार से जाते हैं, जैसे दुनिया को बचाने की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधों पर आ पड़ी है। रेलवे क्रॉसिंग पर रोजाना ही अजीब नजारे देखने को मिलते हैं। वहां तैनात कर्मचारी को फाटक बंद करने में बड़ी मशकत करनी पड़ती है। आखिरी सेकंड तक वाहनों में सबसे पहले निकलने की होड़ लगी रहती है। फाटक बंद होने पर भी कई दुर्घटिया वाहनचालक बाज नहीं आते। वे अपने वाहन को देखा कर ऐसे निकल बगती हैं, जैसे कोई किला फतह कर लिया। इस हकत की वजह से हर साल सैकड़ों लोग हादसों के शिकार होते हैं। अगर घर से थोड़ा जल्दी निकलें, रेलवे क्रॉसिंग पर कुछ मिनट इंतजार कर लें तो हादसे की नौबत ही न आए। हमारे देश में कुछ लोगों की एक अजीब आदत अक्सर चर्चा का विषय बनती है। जब कोई सामान से लदा कोई वाहन पलट जाता है, तब उन लोगों की लॉटरी निकल आती है। वे चालक की मदद करने के बजाय सामान लट्टने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। महाराष्ट्र में टमाटरों से भरा एक ट्रक पलटा तो बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हुए। उन्होंने कुछ ही समय में टमाटरों पर हाथ साफ कर दिया। पश्चिम बंगाल में चावल से भरा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो कई लोगों ने इसे सुनहरा मौका समझा। उत्तर प्रदेश में एक सड़क पर बिस्किट से भरा ट्रक पलटा तो लोग माल समेटने में व्यस्त हो गए। ऐसी घटनाएं बड़े हादसों की वजह बन सकती हैं, खासकर जब वाहन में तेल या कोई ज्वलनशील सामग्री हो। बच्चों को स्कूली जीवन से ही यह शिक्षा दी जाए कि सार्वजनिक स्थानों पर हमारा व्यवहार अच्छा होना चाहिए। छोटी-छोटी आदतों से ही राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण होता है। हमें इस बात का बहुत ध्यान रखना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

जोधपुर में पीने के पानी को लेकर हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। शहर में पानी की कमी से परेशान हैं, और हालात लगभग पानी की इमरजेंसी जैसे हो गए हैं। कायलाणा तख्तसागर जलाशय में सिर्फ दो दिन का पानी बचा है।

-अशोक गहलोत

झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू जी के छोटे भाई जोगेंद्र भांबू के आचानक निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को अपने पवित्र चरणों में स्थान दें और दुखी परिवार को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति और हिम्मत दें।

-दिया कुमारी

मुझे आज सीनियर जर्नलिस्ट विनोद पाठक जी की नई किताब जय तू सनातन धर्म: मिली, जो प्रयागराज महाकुंभ पर फोकस है। इतना ही किताब महाकुंभ के स्प्रिरीटुअल, कल्चरल और सोशल महत्व को अच्छे से दिखाती है। विनोद जी को दिल से बधाई।

-गजन्मसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मृत्यु-मय

स प्रातः अशोक के छोटे भाई वीतशोक को भ्रमण-भिष्णुओं के प्रति श्रद्धा नहीं थी। उन्हें लगता ये सब उत्तम भोजन-वस्त्र के लोभ से भिषु बने हैं। उन्हें समझने के लिए अशोक ने एक युक्ति सोची। एक दिन मंत्रियों ने वीतशोक से कहा सम्राट के बाद आप ही राजा होंगे। जरा ये दरबारीभूषण पहनकर दिखाइये तो, आप कैसे लगते हैं। वीतशोक राजसी वस्त्र-अलंकार धारण कर सिंहासन पर बैठे ही थे कि सम्राट आ गये। उन्होंने कहा, 'भरे रहते तुम्हारा यह दुस्साहस! तुम्हें राजद्रोह के अपराध में मृत्युदंड दिया जायेगा।' मंत्रियों के अनुनय-विनय करने पर अशोक ने कहा, 'ठीक है। प्राणदंड तो अवश्य मिलेगा किन्तु यह मेरा प्रिय भाई है, पहले एक साहस तक राजसुख भोगे।' वीतशोक सात दिन के लिए राजा हुए। राजसी ऐश्वर्य से परिपूर्ण सात दिन। किन्तु उसके पीछे हर समय दो खजानारी वधिक चलते जो उन्हें प्रशिक्षण आसन-मृत्यु की याद दिलाते रहते। सात दिन बाद वीतशोक को सम्राट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सम्राट ने हंसकर पूछा, 'कहाँ बंधु, कैसा लगा राजपद का सुख?' वीतशोक ने कहा 'कैसा सुख? कहां का भोग-विलास? जिसके पीछे हर समय नंगी तलवारें लिये मृत्यु चल रही हो, उसके लिये ये सुख भला किस काम के?' अशोक ने कहा, 'तुम एक मृत्यु के भय से सुख नहीं भोग सके।

नियंत्रित अनिश्चितता के दौर में अमेरिका और चीन

महेंद्र तिवारी

वैश्विक राजनीति के वर्तमान दौर में अमेरिका और चीन के बीच बीजिंग में आयोजित हुई उच्च स्तरीय बैठक को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व एक जटिल और अभूतपूर्व दौर से गुजर रहा है, जहां क्षेत्रीय संघर्ष, उर्जा क्षेत्र की अस्थिरता, आपूर्ति शृंखला की अनिश्चितताएं और तकनीकी क्षेत्र में वर्चस्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। ऐसी परिस्थितियों में दुनिया की 2 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के शीर्ष नेताओं का एक मंच पर आना और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना अपने आप में एक बड़ा संदेश देता है। हालांकि, यदि इस बैठक के वास्तविक और व्यावहारिक परिणामों का मूल्यांकन किया जाए, तो वे जनसाधारण और विश्लेषकों की अपेक्षाओं से काफी सीमित रहे हैं। दोनों पक्षों ने वैश्विक समुदाय को यह दिखाने का पूरा प्रयास किया कि वे सीधे सीधे या राजनीतिक टकराव के बजाय संबंधों में स्थिरता और एक निरंतर प्रतिस्पर्धा के लक्ष्य के भीतर काम करना चाहते हैं। इस वार्ता के दौरान बातचीत का लहजा भले ही कूटनीतिक शिष्टाचार से परिपूर्ण और सांवादीपूर्ण रहा हो, लेकिन जब बात बुनियादी रणनीतिक मतभेदों और दीर्घकालिक विवादों पर टोल सहमत बनाने की आई, तो वहां कोई बड़ा बदलाव या ऐतिहासिक मोड़ देखने को नहीं मिला। यही कारण है कि इस पूरी कूटनीतिक कयावल को एक बड़े बदलाव की शुरुआत मानने के बजाय वैश्विक संतुलन को बनाए रखने का एक अस्थायी प्रयास माना जा रहा है।

इस पूरी वार्ता के केंद्र में दोनों महाशक्तियों के बीच के आर्थिक और व्यापारिक संबंध रहे, जो पिछले कई वर्षों से गंभीर तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। दोनों देशों के नेतृत्व ने इस यथार्थ को पूरी गंभीरता से स्वीकार किया कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक बांधे की स्थिरता इन दोनों के आपसी संबंधों पर टिकी है। अमेरिका और चीन जैसी 2 विशाल आर्थिक शक्तियों के बीच व्यापारिक संबंधों का पूरी तरह से टूट जाना न तो इन दोनों देशों के हित में होगा और न ही शेष विश्व इसके आर्थिक झटके को झेलने में सक्षम है। इसी संकट के आधार पर बैठक के दौरान कुछ सीमित आर्थिक संकेतों और समझौतों पर चर्चा आगे बढ़ी, जिनमें मुख्य रूप से कृषि निर्यात की बड़े पैमाने पर खरीद, उर्जा व्यापार में सहयोग की संभावनाएं और विमानन उद्योग से जुड़े कुछ संभावित सौदे शामिल रहे। कुछ कूटनीतिक विवरणों से यह भी संकेत मिले कि चीन आने वाले समय में अमेरिकी कृषि उत्पादों और नागरिक उड्डयन क्षेत्र को 1 बड़ा कृषि प्रस्ताव देने



पर विचार कर सकता है। लेकिन इन तमाम सकारात्मक चर्चाओं के बावजूद यह ध्यान रखना आवश्यक है कि ये सभी कदम अभी बेहद शुरुआती और प्रारंभिक स्तर पर हैं। इन्हें किसी औपचारिक, व्यापक या दीर्घकालिक व्यापार समझौते का रूप नहीं दिया जा सका है, जो दोनों देशों के व्यापारिक असंतुलन को स्थायी रूप से दूर कर सके। व्यापारिक स्तर पर सहयोग की इस धीमी सुगुणाहट के समांतर सबसे जटिल और विवादि विषय सीमा शुल्क और तकनीकी प्रतिबंधों का बना रहा। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध और एक-दूसरे के उत्पादों पर लगाए गए भारी करों को कम करने की दिशा में इस बैठक से कोई ठोस और स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आ सकी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस उच्च स्तरीय बैठक का प्राथमिक उद्देश्य किसी नए या आदर्श वैश्विक व्यापार बांधे की स्थापना करना था ही नहीं, बल्कि इसका तात्कालिक लक्ष्य मौजूदा आर्थिक तनाव को एक सीमा से अधिक बढ़ने से रोकना था। इस दृष्टिकोण से विचार करने पर यह स्पष्ट होता है कि यह वार्ता कूटनीतिक मोर्चे पर एक प्रकार के अस्थायी विराम की तरह काम कर रही है, जिसमें दोनों पक्ष अपने-अपने राष्ट्रीय और आर्थिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीधे आर्थिक महायुद्ध से बचने का मार्ग तलाश रहे हैं।

इस पूरी बीजिंग वार्ता का सबसे संवेदनशील, जटिल और रणनीतिक रूप से खतरनाक विषय ताइवान का मुद्दा रहा। चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का अटूट हिस्सा और अपने संप्रभु क्षेत्र का एक अनिवार्य अंग मानता है, जबकि इसके विपरीत अमेरिका ताइवान के साथ जनबद्ध रणनीतिक, कूटनीतिक और रक्षा संबंध बनाए हुए है। इस मुद्दे पर चीनी पक्ष की ओर से अत्यंत कड़े और स्पष्ट शब्दों में यह संदेश दिया गया कि यदि ताइवान को लेकर स्थिति में कोई भी नकारात्मक बदलाव हुआ या अंतरराष्ट्रीय शक्तियों द्वारा स्थापित सीमा का उल्लंघन किया गया, तो दोनों महाशक्तियों के संबंध एक अत्यंत गंभीर संकट में फंस सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी कूटनीति ने भी

सामयिक

अमेरिका और चीन

अपनी पारंपरिक नीति में किसी बड़े या क्रांतिकारी बदलाव का संकेत नहीं दिया। अमेरिका ने स्थिति को जानबूझकर रणनीतिक रूप से खुला रखने और अपनी पुरानी स्थिति पर अडिग रहने का दृष्टिकोण अपनाया। यह परस्पर विरोधी रुख साफ तौर पर यह दर्शाता है कि ताइवान का मुद्दा आने वाले समय में भी संपूर्ण एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा का सबसे बड़ा संकट बना रहेगा और निकट भविष्य में इसका कोई शांतिपूर्ण या सर्वमान्य समाधान निकलने की संभावना बेहद कम है। आधुनिक युग की महाशक्ति बनने की दौड़ में तकनीकी क्षेत्र का नियंत्रण एक निर्णायक कारक साबित हो रहा है, और इस बैठक में भी तकनीकी प्रतिस्पर्धा का तनाव पूरी तरह उभरकर सामने आया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक उद्योग, उन्नत चिप निर्माण तकनीक और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर नियंत्रण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर दोनों पक्षों के बीच गहन चर्चा तो हुई, लेकिन किसी भी विषय पर कोई ठोस, लिखित या दीर्घकालिक समझौता नहीं हो सका। वैश्विक तकनीकी बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही इन दोनों शक्तिशाली देशों की प्रतिस्पर्धात्मक नीतियों, निर्यात नियंत्रणों और सुरक्षा कानूनों से गहराई से प्रभावित हैं। इस बैठक के परिणामों से यह साफ है कि आने वाले समय में उन्नत तकनीकों के विकास और उनके बाजार पर कब्जे को लेकर यह होड़ थपने वाली नहीं है, बल्कि इसके और अधिक तीव्र होने की पूरी आशंका है।

इस बीजिंग बैठक का एक और महत्वपूर्ण आयाम यह है कि इसे केवल 2 देशों के द्विपक्षीय संबंधों के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता, बल्कि इसके गहरे वैश्विक संदर्भ और निहितार्थ हैं। वर्तमान में कच्चे तेल के बाजार और वैश्विक उर्जा आपूर्ति पर पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों का प्रतिकूल प्रभाव पहले से ही दिखाई दे रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में यदि अमेरिका और चीन के बीच का तनाव किसी भी स्तर पर अनियंत्रित होता है, तो वह वैश्विक स्तर पर महंगाई, मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी को अत्यधिक बढ़ा सकता है। यही कारण है कि दोनों देशों के जिम्मेदार नेताओं ने दुनिया को यह आश्चर्य

इस बैठक का निष्कर्ष यही निकाला जा सकता है कि यह किसी नए युग का सूत्रपात नहीं है, बल्कि यह मौजूदा तनावपूर्ण संतुलन को सावधानीपूर्वक बनाए रखने का एक गंभीर प्रयास है ताकि दुनिया को किसी बड़े संकट से बचाया जा सके।

करने का प्रयास किया कि वे एक विनाशकारी संघर्ष के बजाय एक नियम-आधारित और संतुलित प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता दें। हालांकि इस संपूर्ण कूटनीतिक कयावद के पीछे का एक कड़वा यथार्थ यह भी है कि दोनों महाशक्तियों के बीच आपसी विश्वास का स्तर ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका है। गहरी आर्थिक अंतर्निर्भरता के बावजूद रणनीतिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर मतभेद इतने गहरे और मौलिक हैं कि किसी भी बड़े या स्थायी समझौते तक पहुंचना व्यावहारिक रूप से असंभव प्रतीत होता है। यही कारण है कि कूटनीतिक मामलों के जानकार इस बैठक को किसी स्थायी शांति समझौते के रूप में नहीं, बल्कि केवल एक अस्थायी स्थिरता लाने के प्रयास के रूप में देखते हैं। वैश्विक राजनीति में यह स्थिति एक नई प्रवृत्ति को रेखांकित करती है, जहां सहयोग और टकराव दोनों समानांतर रूप से चलते हैं और कोई भी पक्ष अपने मूलभूत हितों से पीछे हटने को तैयार नहीं होता। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी वास्तविकता यह है कि आज वैश्विक शक्ति का संतुलन एकदुपहर नहीं रह गया है। पिछले 1 या 2 दशकों में चीन का आर्थिक, सैन्य और रणनीतिक प्रभाव अभूतपूर्व गति से बढ़ा है, जबकि अमेरिका अभी भी वैश्विक वित्तीय प्रणाली और पारंपरिक सैन्य शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी स्थान पर बना हुआ है। इस कारण दोनों देशों के बीच की यह प्रतिस्पर्धा केवल व्यापारिक मुनाफे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरी वैचारिक और रणनीतिक वर्चस्व की लड़ाई है। चूंकि इस समय दोनों में से कोई भी पक्ष दूसरे पर एकतरफा या निर्णायक बल बनाने की स्थिति में नहीं है, इसलिए इतने प्रकार की उच्च स्तरीय वार्ताएं अक्सर बेहद सीमित और प्रतीकात्मक परिणामों पर ही समाप्त होती हैं। अंततः इस बैठक का निष्कर्ष यही निकाला जा सकता है कि यह किसी नए युग का सूत्रपात नहीं है, बल्कि यह मौजूदा तनावपूर्ण संतुलन को सावधानीपूर्वक बनाए रखने का एक गंभीर प्रयास है ताकि दुनिया को किसी बड़े संकट से बचाया जा सके।

नजरिया

ईरान को भारत से है चाबहार बंदरगाह विकसित करने की उम्मीद

प्रमोद भार्गव
नो. 9981061100

अमेरिका-ईरान-इजरायल युद्ध के दौरान भारतीय विपक्ष, मोदी विरोधी मीडिया और कुछ चरमपंथियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पश्चिम एशिया की इस विशाल स्थिति में दोषी ठहराने के आरोप लगाए थे। कूटनीतिक रणनीति में पाकिस्तान को केवल इस्तेमाल सफल ठहराने के कसौदे काढ़े गए, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच असफल रहें समझौते की बैठकें इस्लामाबाद में हुई थीं। यह भी आश्चर्यजनक है कि ईरान के लिए स्पष्ट नीति नहीं होने के कारण भारत और ईरान के संबंधों में खटास उत्पन्न हो रही है। किंतु अब इन सब कुशंकाओं के विपरीत भारत और ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ईरान में भारत के सहयोग से निर्माणाधीन चाबहार बंदरगाह को एक सुनहरे दरवाजे और सहयोग का प्रतीक बताते हुए उम्मीद जताई कि भारत इस रणनीतिक बंदरगाह को विकसित करना जारी रहेगा। भारत ही इस क्षेत्र में प्रभावशाली रचनात्मक भूमिका निभा सकता है। अराघची ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के बाद नई दिल्ली में ईरानी दूतावास में ठहरे थे। यहीं उनकी विदेश मंत्री ए. जयशंकर से हुई द्विपक्षीय वार्ता में यह बात निकलकर आई है।

अराघची ने इस बंदरगाह के विकास में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इस परियोजना में सुस्ती आ गई है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया और फिर इस आवागमन मार्ग के रूप में यूरोप तक पहुंचने का सुनहरा दरवाजा साबित होगा। साथ ही यूरोपीय लोगों, मध्य-एशियाई लोगों और अन्य लोगों के लिए हिंद महासागर तक पहुंचने का भी माध्यम बनेगा। यह रणनीतिक दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण बंदरगाह है। ईरान और भारत के अलावा अन्य देशों के लोगों के लिए भी यह बंदरगाह उपयोगी साबित होगा। अतएव मुझे उम्मीद है कि भारत चाबहार बंदरगाह परियोजना को पूरा करेगा ताकि अन्य देश भी इसका लाभ उठा सकें। अराघची ने यहां तक कहा कि भारत ही वह देश है, जो पश्चिम एशिया में शांति के लिए अहम भूमिका निभा सकता है।

दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन के बाद आया अराघची का बयान इस बात का संकेत है कि भारत ही वह देश है, जिससे शांति और समावेशन की उम्मीद की जा सकती है, क्योंकि इस भू-राजनीतिक क्षेत्र के ईरान समेत लगभग सभी देशों से भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते अराघची के बयान को बड़ते उर्जा और आर्थिक संकट के



परिप्रेक्ष्य में वैश्विक धिंता के रूप में भी देखने की जरूरत है। दरअसल भारत ने ईरान के साथ चाबहार स्थित शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह के संचालन के लिए एक समझौता किया हुआ है। 10 वर्षों के लिए हुए इस समझौते पर दोनों देशों के संधि पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं। परंतु हस्ताक्षर के चंद घंटों बाद भी ईरान पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते यह समझौता खटाई में पड़ा हुआ है।

इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाह एवं समुद्री संगठन के बीच 13 मई 2016 को समझौता हुआ था। भारत के तबके जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने ईरान पहुंचकर अपने समकक्ष के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इंडिया पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड को करीब 120 मिलियन डॉलर का निवेश करना था। भारत सरकार की यह संस्था सागरमाला विकास कंपनी की सहायक कंपनी है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक चाबहार स्थित शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह को विकसित करने के लिए ही इस कंपनी को अस्तित्व में लाया गया था। इसका लक्ष्य भूमि से घिरे अफगानिस्तान और मध्य-एशियाई देशों के लिए मार्ग तैयार करना था। यह कंपनी ईरान के संचालन से लेकर देवरहाउसिंग तक का काम करती है। इंडिया पोर्ट ने इस बंदरगाह का संचालन सबसे पहले साल 2018 के अंत में शुरू किया था। तब ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मानवाधिकार उल्लंघन और चरमपंथी संगठनों को मदद करने के आरोप में अमेरिका ने ईरान पर अनेक व्यापक अस्त्र डालने वाले प्रतिबंध लगा दिए थे। 1998 में जब पोखरण में भारत ने परमाणु परीक्षण किया था तब भी अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध लगाए थे। भारत सरकार को अपने पूंजी निवेश से इस बंदरगाह पर पांच गतिविधियों

का निर्माण करना है। इनमें से दो बनकर तैयार हो गई हैं। इनमें से एक पर जब भारत का गैरू से भरा पहला जहाज इस बंदरगाह पर पहुंचा था, तब उसकी आवासीय ईरान के तब के राष्ट्रपति हसन रुहानी ने की थी। इसी के साथ इस बंदरगाह का औपचारिक उद्घाटन भी संपन्न हो गया था। भारत के लिए यह बंदरगाह आर्थिक, सामरिक एवं रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। इस परियोजना के पहले चरण को 'शाहिद बेहेश्ती पोर्ट' के नाम से जाना जाता है। वैसे बंदरगाह का अर्थ चारों ओर बहार अर्थात् खुशहाली से है। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित इस बंदरगाह की भौगोलिक स्थिति बेहद अहम है। चाबहार ओमान की खाड़ी में स्थित है। अतएव यह बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया, यूरोप, रूस और अफगानिस्तान में प्रवेश के लिए एक द्वार माना जाता है।

चाबहार के सबसे निकट गुजरात का कंडला बंदरगाह 1016 किमी और मुंबई बंदरगाह की दूरी 1455 किमी है। यहां से महज 140 किमी दूर पाकिस्तान का क्वदर बंदरगाह है। इसे चीन ने विकसित किया है। यह बहुत पहले से संचालित है। दरअसल पाकिस्तान ने कूटनीतिक चाल चलते हुए अपने क्षेत्र से भारतीय जहाजों को अफगानिस्तान ले जाने से मना कर दिया था। नतीजतन भारत ने वैकल्पिक मार्ग की तलाश किया और चाबहार बंदरगाह ईरान के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते के बाद अस्तित्व में आया। भारत के लिए यह रास्ता इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक और चीन की मिली-जुली रणनीति के तहत भारत को दक्षिण एशिया में हाथिए पर डालने की कुटिल चाल अपनाई हुई है। चीन ने दक्षिण एशिया में बड़ा पूंजी निवेश करते हुए पाक,

श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल आदि देशों से मजबूत आर्थिक व सामरिक संबंध बना लिए हैं। इनके जरिए चीन एवं पाक ने भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार को प्रतिबंधित करने की कोशिश की थी, जो अब तक नाकाम रही है। भारत से बंदरगाह बनाए जाने की बुनियाद 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और ईरानी राष्ट्रपति सैयद मोहम्मद खतमी ने डाली थी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सकारात्मक पहल के बाद प्रथम चढ़ना पुरु हुई, लेकिन प्रतिबंधों के चलते अधूरी है। अटल बिहारी वाजपेयी जब प्रधानमंत्री थे, तब 2003 में ईरान के तत्कालीन खतमी दिल्ली आए थे। तभी भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को विकसित करने व रेल लाइन बिछाने और कुछ सड़कें डालने के समझौते हो गए थे, लेकिन विवादि परमाणु कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों अनुकूल नहीं होने के कारण भारत इन कार्यक्रमों में रुचि होने के बावजूद कुछ नहीं कर पाया था। इस समय भारत को परमाणु शक्ति के रूप में उभरने व स्थापित होने के लिए अमेरिकी सहयोग व समर्थन की जरूरत थी।

भारत राश्ट्रियन के रीपुस्तान में परमाणु परीक्षण के लिए तैयार था। परमाणु परीक्षण अप्रत्यक्ष तौर से परमाणु बम बना लेने की पुष्टि होती है। इसके तत्काल बाद पाकिस्तान और उत्तर कोरिया ने भी परमाणु बम बना लेने की तस्वीर कर दी थी। इसी समय भारत परमाणु निरस्त्रीकरण की कोशिश में लगा था। इस बात भारत यह कतई नहीं चाहता था कि ईरान परमाणु शक्ति संपन्न देश बन जाए? गोया, भारत को परमाणु अप्रसार संधि के मुद्दे पर अमेरिकी दबाव में ईरान के खिलाफ दो मंत्रवा दंड देने पड़े थे। इन मतदानों के समय केंद्र में मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। हालांकि 2012 में तेहरान में आयोजित हुए निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री हुए थे। उन्होंने सम्मेलन के अजेंडे से इतर ईरानी नेताओं से बातचीत भी की थी, लेकिन संवाद की करिष्माई बैली नहीं होने के कारण कुडवा टूट नहीं पाई थी। लिहाजा निरसोध कायम रहा।

दरअसल चीन अपनी पूंजी से क्वदर बंदरगाह का विकास अपने दूरगामी हितों को ध्यान में रखते हुए किया है। इसके मार्फत एक तो चीन हिंद महासागर तक सीधी पहुंच बनाने को आतुर है, दूसरे खाड़ी के देशों में पकड़ मजबूत करना चाहता है। चीन इसी क्रम में काषापर से लेकर क्वदर तक 3000 किलोमीटर लंबा आर्थिक गलियारा बनाने में भी लगा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए चीन पाकिस्तान में 46 लाख अरब डॉलर खर्च कर रहा है। इससे यह आर्थिक उत्पन्न हुई है कि चीन इस बंदरगाह से भारत की सामरिक गतिविधियों पर खुफिया नजर रहेगा। अबतक भारत को क्वदर के इर्द-गिर्द चीन व पाकिस्तानी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए चाबहार के रूप में एक मकान मिल रहा था, जो बन नहीं पाया।

महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4, 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekrant Parashar. (*Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वेबसाइट, वर्गीकृत, टैडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में सम्पत्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त करें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादकों की गुणवत्ता तथा उत्पादों के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा था पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दौरा



उपराष्ट्रपति सी. पी. साधुकाणन, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग रविवार को गंगटोक स्थित लोक भवन दौरे के दौरान।

प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड में प्रतिष्ठित बांध का दौरा किया; जल प्रबंधन में सहयोग की उम्मीद जताई

हेग/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन के साथ रविवार को प्रतिष्ठित अफरलुइडटिज्क बांध का दौरा किया। भारत और नीदरलैंड के बीच जल प्रबंधन और जलवायु अनुकूल बुनियादी ढांचे में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के मद्देनजर ये दौरा हुआ है। बत्सीस किलोमीटर लंबा यह बांध और पुल बाढ़ नियंत्रण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर ध्यान केंद्रित करता है, जो नीदरलैंड के बड़े हिस्से को उत्तरी सागर से बचाता है और साथ ही मीठे पानी के भंडारण को भी संभव बनाता है। मोदी ने दौरे के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'जल प्रबंधन एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें नीदरलैंड ने अभूतपूर्व कार्य किया है। इससे पूरा अंतरराष्ट्रीय

समुदाय बहुत कुछ सीख सकता है।' उन्होंने कहा, 'हम भारत में आधुनिक प्रौद्योगिकी लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसका उद्देश्य सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा और अंतर्देशीय जलमार्ग नेटवर्क के विस्तार में सहायता करना है।' विदेश मंत्रालय ने अफरलुइडटिज्क बांध को 'उत्कृष्टता और नवाचार का प्रतीक' बताते हुए जल प्रबंधन, बाढ़ सुरक्षा और मीठे पानी के भंडारण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'इस दौरे ने गुजरात में कल्पसर परियोजना के लिए उच्च विशेषज्ञता के महत्व को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य संभार की खाड़ी के पास एक मीठे पानी का जलाशय और बांध बनाना है।' मंत्रालय ने कहा, 'इस यात्रा ने

जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, जल प्रौद्योगिकी और टिकाऊ बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत-नीदरलैंड सहयोग को और गहरा करने के अवसरों पर जोर दिया।' मंत्रालय ने बयान में कहा, 'इस संबंध में, दोनों पक्षों ने कल्पसर परियोजना पर तकनीकी सहयोग के लिए भारत के जल शक्ति मंत्रालय और नीदरलैंड के अवसररचना एवं जल प्रबंधन मंत्रालय के बीच आशय पत्र पर हस्ताक्षर का स्वागत किया।' विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने इस बात पर गौर किया कि 'हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग' में नीदरलैंड की विशेषज्ञता और भारत द्वारा कार्यालयन की व्यापक क्षमता पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी के अवसर प्रदान करती है।

ब्राह्मणों पर टिप्पणी के लिए अनुराग कश्यप के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश

सुरत/भाषा

गुजरात के सुरत की एक अदालत ने शनिवार को फिल्म निर्माता-अभिनेता अनुराग कश्यप के खिलाफ ब्राह्मण समुदाय पर सोशल मीडिया में की गई टिप्पणियों के लिए आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) ए. एस. जानी की अदालत ने वकील और विधु हिंदू परिषद के नेता कमलेश रावल द्वारा दायर निजी शिकायत को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कश्यप के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि यह मानने का कारण है कि सोशल मीडिया पोस्ट को आरोपी द्वारा इस तरह से कई बार पोस्ट किया गया था जिससे एक निश्चित समुदाय की मानहानि होती है। न्यायालय ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। ब्राह्मण समुदाय से संबंध रखने वाले शिकायतकर्ता ने कश्यप द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अदालत का रुख किया, जिसके बारे में उनका कहना है कि इसने पूरे ब्राह्मण समुदाय को बदनाम किया है।

नयी सिनेमा नीति का अनावरण और फिल्म प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करेगा ओडिशा : मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर/भाषा ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घोषणा की है कि उनकी सरकार ओडिशा फिल्म उद्योग के पुनरुद्धार के लिए जल्द ही एक विशेष ओडिशा सिनेमा नीति लागू करेगी तथा एक फिल्म प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना भी करेगी। माझी ने शुक्रवार को ओडिशा सिनेमा पर आयोजित एक विशेष संगोष्ठी में भाग लेते हुए यह घोषणा की। उन्होंने फिल्म निर्माताओं से भगवान जगन्नाथ और उनसे जुड़ी ओडिशा संस्कृति, कला, कला के समृद्ध इतिहास, जनजातीय संस्कृति, चक्रवार्त और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों के संघर्ष तथा ग्रामीण ओडिशा के सुख-दुख जैसे विषयों पर फिल्म बनाने का सुझाव भी दिया। मुख्यमंत्री ने फिल्म जगत की कई प्रमुख हस्तियों और कलाकारों के साथ ओडिशा सिनेमा की मौजूदा स्थिति और उसके भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा, 'हम जल्द ही एक नयी फिल्म नीति लागू करेंगे, जिसका उद्देश्य ओडिशा सिनेमा की अपनी अलग पहचान बनाना है।' माझी ने कहा,

'सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह किसी राष्ट्र की स्मृति, संस्कृति, विचार और आत्मा का सच्चा प्रतिबिंब है।' ओडिशा सिनेमा की लोकप्रियता पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडिशा फिल्मों को कहीं और से नकल नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनकी अपनी आवाज और पहचान होनी चाहिए। इस संगोष्ठी में फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए थिलिका, कोणार्क और कोरापुट जैसे रमणीय स्थलों को प्रमुख शूटिंग स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा, स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्व मंच प्रदान करने के लिए ओडिशा में एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडिशा जीवन, संस्कृति और परंपरा पर आधारित सिनेमा में एक फिल्म प्रशिक्षण संस्थान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा संस्थान राज्य में स्थापित किया जाएगा।

नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेर्पा ने 32वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया

काठमांडू/भाषा। नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेर्पा ने रविवार को दुनिया की सबसे ऊँची पर्वत चोटी 'माउंट एवरेस्ट' को 32वीं बार फतह करके इतिहास रच दिया। शेर्पा ने एवरेस्ट पर सबसे अधिक बार सफलतापूर्वक चढ़ाई करने का अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। पर्यटन विभाग के अनुसार, 56 वर्षीय अनुभवी पर्वतारोही रविवार पूर्वाह्न 10 बजकर 12 मिनट पर 8,849 मीटर उंचे शिखर पर पहुंचे। विभाग ने बताया कि शेर्पा '14 पीक्स एक्सपेडिशन' द्वारा संचालित एक अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट की खबर के अनुसार, एवरेस्ट आधार शिविर स्थित पर्यटन विभाग के फील्ड कार्यालय ने सफलतापूर्वक चढ़ाई करने की पुष्टि की। जनवरी 1970 में कोशी प्रांत के सोलुखुम्बु जिले के एक गांव में जन्मे कामी रीता ने 1992 में एक पेशेवर पर्वतारोही के रूप में अपना करियर शुरू किया था। पर्यटन विभाग ने शेर्पा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि नेपाल के पर्वतारोहण क्षेत्र और देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है।

प्रदर्शन



श्रीलंका के जालंधर जिले में भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए महिलाएं रविवार को अपने चेहरे कपड़ों से ढंकर निकलती हुईं।

'प्यार का पंचनामा' ने बदली नुसरत भरुचा की किस्मत

मुंबई/एजेन्सी



बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने छोटे-छोटे रोल और लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई, लेकिन उनकी किस्मत का असली मोड़ एक फिल्म से आया, जिसके लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। कई ऑडिशन और टेस्ट के बाद जब उन्हें 'प्यार का पंचनामा' में मौका मिला तो उसी फिल्म ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी और उन्हें एक नई पहचान दिलाई। नुसरत भरुचा का जन्म 17 मई 1985 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरुआत साल 2002 में टीवी शो 'किट्टी पार्टी' से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था। इसके बाद वह टीवी शो 'सेवन' में भी नजर आईं, जहां उन्हें लीड रोल मिला, हालांकि टीवी पर उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पाई और उन्होंने फिल्मों की ओर रुख कर लिया। साल 2006 में नुसरत ने फिल्म 'जय संतोषी मां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा मौका थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें लगातार संघर्ष और असफलताओं का सामना करना पड़ा। यह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार ऑडिशन देती रहती थी। नुसरत के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से आया लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। इस रोल के लिए कई एक्ट्रेसस के ऑडिशन हुए थे और नुसरत को भी कई टेस्ट देने पड़े थे। काफी मेहनत और स्क्रीन टेस्ट के बाद उन्हें यह किरदार मिला। जब फिल्म रिलीज हुई, तो उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रजेंट को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

हंबनटोटा बंदरगाह के निकट रणनीतिक हवाई अड्डे को पट्टे पर देने की श्रीलंका की योजना पर भारत की नजर

नई दिल्ली/भाषा। भारत, चीन के नियंत्रण वाले हंबनटोटा बंदरगाह के निकट स्थित श्रीलंका के एक हवाई अड्डे के संचालन में विदेशी निवेशकों को हिस्सेदारी देने की योजना पर कड़ीबी नजर रखे हुए है। मामले से परिचित लोगों ने रविवार को यह जानकारी दी। मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि यह कदम हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक उपस्थिति मजबूत करने की इच्छुक भारतीय कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकता है। श्रीलंका सरकार ने हंबनटोटा स्थित मडुला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन और विकास के लिए 30-वर्षीय निर्माण-संचालन-हस्तांतरण मॉडल के तहत घरेलू और विदेशी निवेशकों से नौ जून तक अभिरुचि-पत्र आमंत्रित किए हैं।



अभिनेत्री शरवरी वाघ, अभिनेता वेदांग रैना और फिल्मकार इम्तिआज अली ने रविवार को मुंबई में अपनी आगामी फिल्म 'बं वापस आऊंगा' के प्रमोशन के दौरान हिस्सा लिया।

'इमोशनल सपोर्ट' सायली-सचिन के रिश्ते की असली ताकत : नेहा हरसोरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री नेहा हरसोरा इन दिनों स्टार प्लस पर प्रसारित धारावाहिक 'उड़ने की आशा' में नजर आ रही हैं। वह सीरियल में 'सायली' का मुख्य किरदार निभा रही हैं। आईएनएस के साथ खास बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने निजी जीवन की पसंद-नापसंद के बारे में बताया। धारावाहिक 'उड़ने की आशा' में नेहा के 'सायली' और सह-कलाकार कंवर दिब्लन के 'सचिन' की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है। आईएनएस ने अभिनेत्री से पूछा, सचिन और सायली परिवार की हर मुश्किल का सामना मिलकर करते नजर आते हैं। क्या आपको लगता है कि अब उनका रिश्ता एक भावनात्मक साझेदारी भी बन गया है? अभिनेत्री ने कहा, सच तो यह है कि सचिन और सायली शुरू से ही एक-दूसरे के लिए भावनात्मक रूप से खड़े रहे हैं। हालांकि, उनकी पहली प्रार्थनिकाता हमेशा उनका परिवार ही रहा है। चाहे परिवार के सदस्यों ने उनके साथ कैसा भी बर्ताव क्यों न किया है, सायली और सचिन के लिए उनके माता-पिता और भाई-बहन हमेशा मायने रखते हैं। शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल और गर्मी के बीच तालमेल बिटाने पर नेहा कहती हैं, यह वाकई बहुत मुश्किल है। शहर में विकास कार्यों और फ्लाइंग ऑवर्स की वजह से पेड़ों की कटाई हुई है, जिससे गर्मी और बढ़ गई है। काफी बार छांव में खड़े रहना भी मुश्किल ही जाता है। इस गर्मी में बचने का कोई रास्ता नहीं है। बस अपने शरीर में पानी की कमी न होने दें, खूब सारा पानी पिएं और जब भी मुमकिन हो, ठीक से आराम करें। गर्मी की छुट्टियों के नाम पर अभिनेत्री ने बताया



कि उन्हें सबसे पहले मां की याद आती है। उन्होंने कहा, गर्मी का असर अब उनकी भूख पर भी देखने को मिलती है। इस मौसम में लोग जल्दी कमजोरी महसूस करने लगते हैं। ऐसे में बहुत भारी वर्कआउट के बजाय हल्की-फुल्की एक्सरसाइज और योग शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त है। अभिनेत्री से पूछा कि अगर आपको अपने किसी को-स्टार के साथ गर्मियों की एक परफेक्ट छुट्टी प्लान करनी हो, तो आप किसे चुनेंगी और कहाँ जाएंगी? अभिनेत्री ने तुरंत अपनी दोस्त रिया का नाम लिया। उन्होंने कहा, जहां तक जगह की बात है, सच कहूँ तो अभी मैं किसी लंबी यात्रा के बारे में सोच भी नहीं पा रही हूँ। मुंबई ही मुझे आरामदायक लगता है क्योंकि मुझे रोजाना यहां रहने की आदत हो गई है।

कान्स फिल्म फेस्टिवल: बनारसी साड़ी में रेड कार्पेट पर उतरीं हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

इन दिनों भारतीय अभिनेत्रियां कान्स फिल्म फेस्टिवल में वेस्टर्न ड्रेस से अपने जलवा बिखेर रही हैं, वहीं अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने भारतीय लुक से सभी की ध्यान कर्षित किया। शनिवार को हुमा ने सोशल मीडिया पर अपने कान्स का लुक शेयर किया, जिसमें वे पारंपरिक बनारसी साड़ी में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपने लुक को सुनहरे रंग की पारंपरिक ज्वेलरी और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, बनारस के घाटों से लेकर फ्रेंच रिवेरा तक। एक ऐसा बुना हुआ परिधान पहनने में कुछ बेहद खास बात है, जो ऐसा महसूस कराता है मानो उसने सदियों का सफर तय किया

हो। हुमा कुरैशी ने फ्रांस में अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि जहां चारों ओर सिनेमा और कहानियों का बोलबाला है, वहां कुछ ऐसा पहनना जो अपने आप में ही एक कहानी बयान करता हो, एक बेहद ही अलौकिक अनुभव है। उन्होंने लिखा, मुझे इसकी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि यह एक ही समय में दो अलग-अलग रूपों को अपने अंदर समेटे हुए है। एक तरफ इसमें बनारसी बुनाई का पुराना और पारंपरिक अंदाज है, तो दूसरी तरफ इसके डिजाइनों में एक नयापन और आधुनिक टच देखने को मिलता है, जो इसे अनोखा बनाता है। विदेशी सरजमों पर उनके इस देसी अंदाज ने न सिर्फ सबका ध्यान खींचा, बल्कि सोशल मीडिया पर भी खूब सुर्खियां बटोरीं। ताहिशा कश्यप, गायिका

अकाशा और अभिनेत्री तिलोत्तमा समेत कई सेलेब्स ने कमेंट सेक्शन में प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जल्द ही यश की बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रीन-अस' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनेत्री 'एलिजाबेथ' का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी, शाही और खामोश खतर से भरपूर है। यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट्स, ड्रग तस्करों और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। इस फिल्म में यश के साथ फिल्म में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुचमणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।



